अध्याय १ :

आरम्भ

ये कहानी हजारो साल पुराने पुस्तक में बताई गयी हैं | मैं तुम्हे जो कुछ भी बताने जा रहा हु वो हर एक शब्द सच हैं | उसमे से कुछ पर विश्वास करना मुश्किल होगा,
परन्तु सच अक्सर हमारे कल्पना से बहुत अलग होता हैं |

शुरुवात में, पेहला मनुष्य बनाने से पेहेले,
पृथ्वी, सूर्य, सितारे, प्रकाश और समय बनाने से भी
पेहेले वहा परमेश्वर था |

शुरुवात में केवल वही उपस्थित था, परन्तु वह अकेला नहीं था | सीमित मनुष्य के तरह परमेश्वर एक ही समय में तीन व्यक्ति के रूप में था | हर एक व्यक्ति सह-समान और सह-शाश्वत हैं , सार में एक, प्रकृति, शक्ति, क्रिया और इच्छा | उसने अपने आप को सामंजस्यपूर्ण प्रेम में सहारा ।
परन्तु परमेश्वर उसका जीवन बाटना चाहता था | उसको दोस्त और पड़ोसी चाहिए थे |

बाइबिल हमें बताती हे की परमेश्वर ने
उसके स्तुति के लिए सिहांसन के आजु बाजु
कई प्रकार के देवदूत बनाये थे, परन्तु उसमे
से एक लूसिफर ने विद्रोह के लिए तीनो
में नेतृत्व किया | परमेश्वर ने उन्हें स्वर्ग से
बाहर निकाला और लूसिफर का नाम बदल
के शैतान रख दिया |

यशायाह ४५:१८ - संक्षिप्त वर्णन के लिए बाइबिल नाम के पुस्तक में पृष्ठ ३२२ देखिये | शैतान के बारे में अधिक जानकारी पाने के लिए देखिये : यशायाह १४:१२-१४; यहेजकेल २८:१३-१९; मत्ती २५-४१; लूका १०:१८; प्रकाशितवाक्य १२:४, २०:२

परमेश्वर ने आरम्भ में आकाश और पृथ्वी को रचा | पृथ्वी आकर-रहित और सुनसान थी | और पानी के ऊपर निर्माता मण्डराता था |

अचानक से परमेश्वर ने अंधकार में बोला...
“प्रकाश हों”

कई आधुनिक पुरुष समज ना सके | निर्माता ने विकास का उपयोग नहीं किया | उसने सब चीज़ें अस्तित्व में केवल बोलकर निर्माण की | परमेश्वर ने ६ दिन २४ घंटे में पृथ्वी पर झाड़ और प्राणी बसाये |
लगभग ४००४ ई. पू. - उत्पत्ति १:२-३

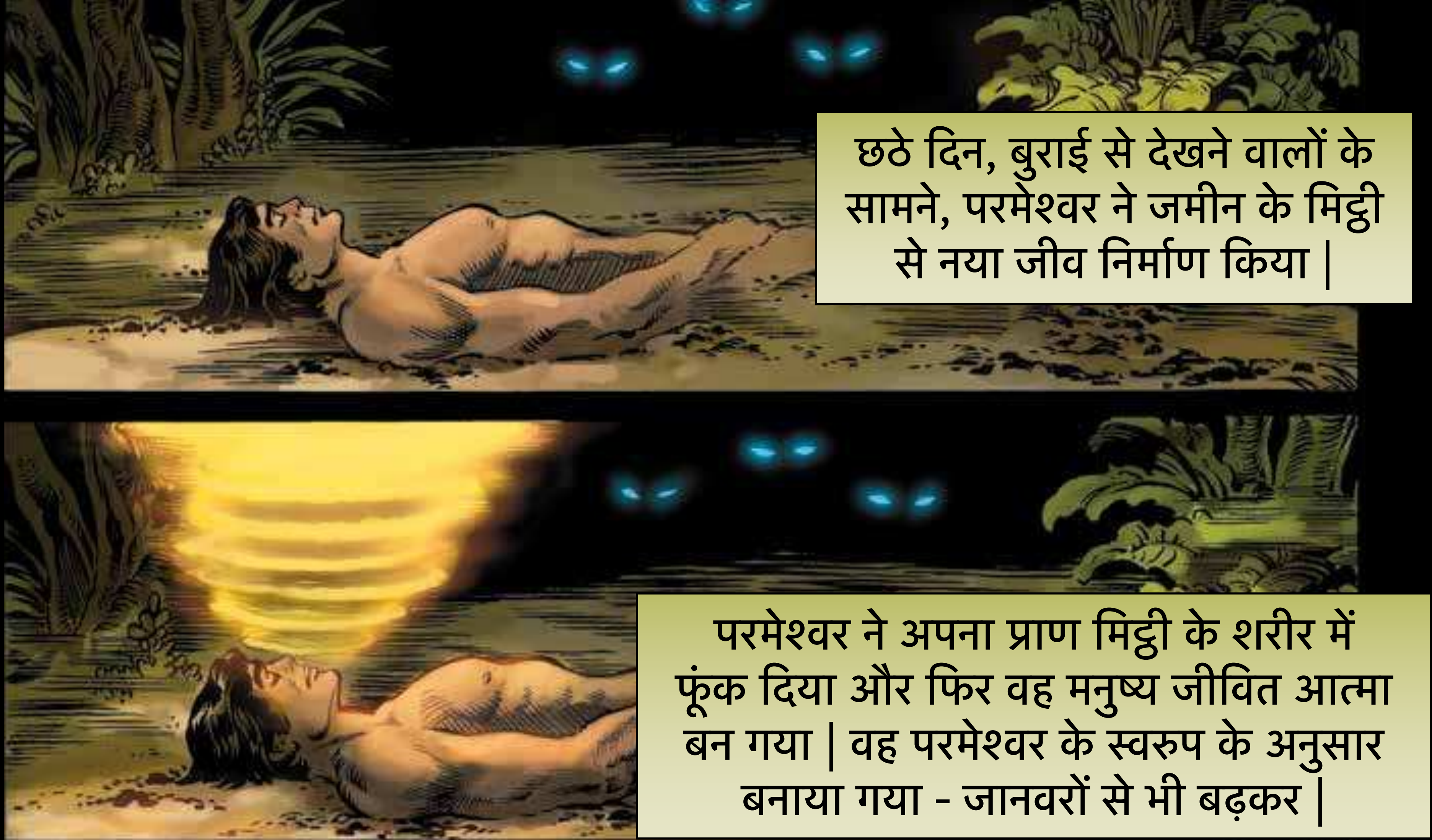
छठे दिन, बुराई से देखने वालों के सामने, परमेश्वर ने जमीन के मिट्ठी से नया जीव निर्माण किया |
परमेश्वर ने अपना प्राण मिट्ठी के शरीर में फूंक दिया और फिर वह मनुष्य जीवित आत्मा बन गया | वह परमेश्वर के स्वरुप के अनुसार बनाया गया - जानवरों से भी बढ़कर |

परमेश्वर ने नए जीव को बुलाया और उसे आदम नाम दिया |
परमेश्वर ने उसके सारी रचना को देखा और कहा, “यह बहुत अच्छा हैं |”
उत्पत्ति १:३१, २:७

हर रोज, परमेश्वर आदम से बात करता था और जीवन अद्भुत था | परमेश्वर ने सब प्राणी को उसके सामने लाया ताकि वो हर एक को नाम दे सके | जैसे सब प्राणी जा रहे थे वैसे आदम को महसूस हुआ की उन्ह प्राणियों के तरह उसके पास कोई सहवासी नहीं हैं |

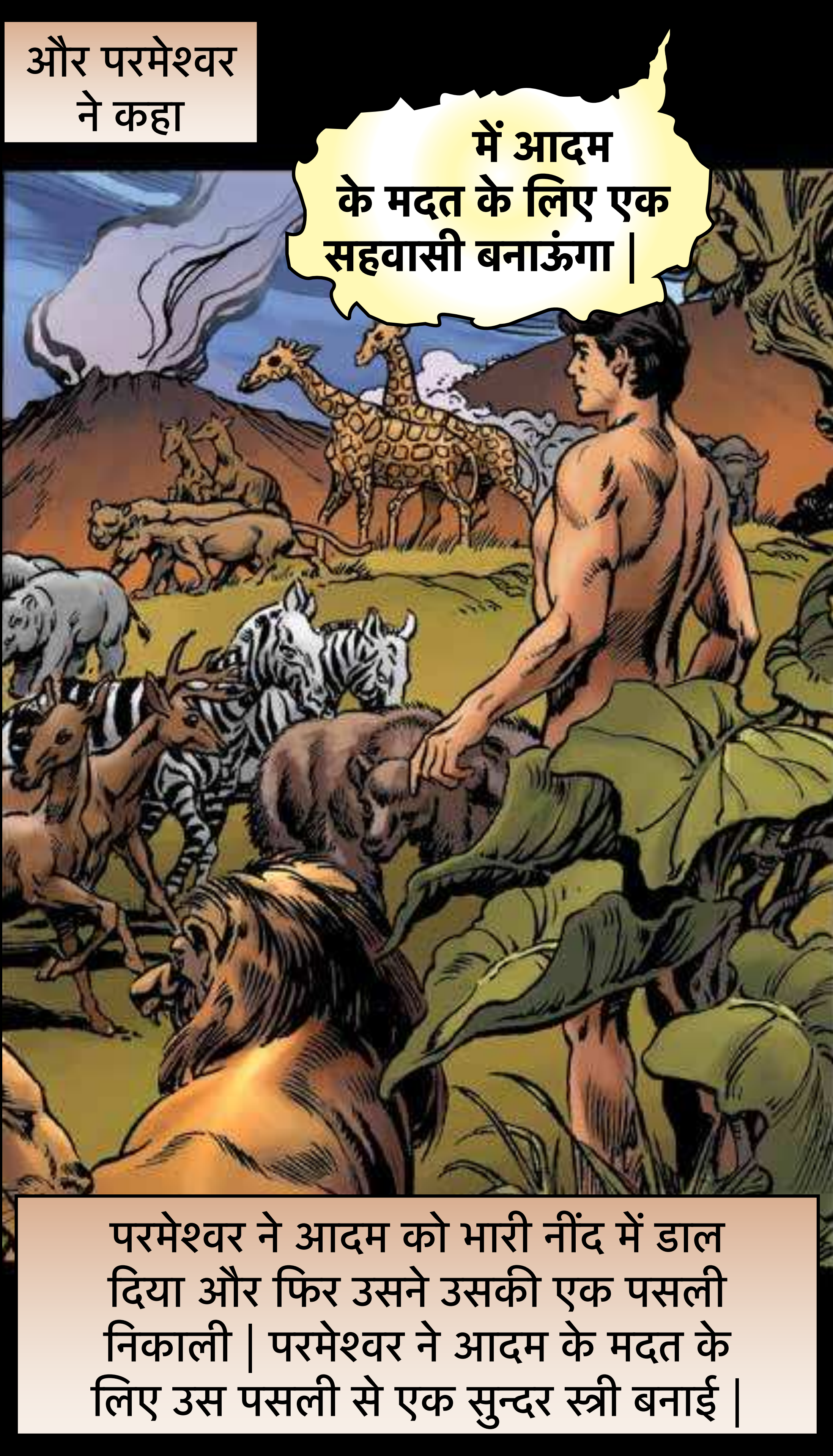
और परमेश्वर ने कहा
में आदम के मदत के लिए एक सहवासी बनाऊंगा |
परमेश्वर ने आदम को भारी नींद में डाल दिया और फिर उसने उसकी एक पसली निकाली | परमेश्वर ने आदम के मदत के लिए उस पसली से एक सुन्दर स्त्री बनाई |

परमेश्वर ने आदम को उठाया और स्त्री को उसके पास लाया | उसने उनसे कहा कि वे बच्चे पैदा करें और पृथ्वी को फिर से भर दें, और फिर आदम ने उसके सुन्दर नयी पत्नी को हव्वा कहा |
वह मेरी हड्डी की हड्डी है और मेरे मांस का मांस |
एक दुष्ट, शैतान, उन्हें देख रहा था |
वे दोनों नग्न थे, लेकिन, बच्चों की तरह, वे इसके बारे में नहीं जानते थे |

वे बगीचे में खुश थे | वहा ना कोई पाप, ना भूख थी; यह न तो बहुत गरम और ना हीं बहुत ठंडा था |
परमेश्वर ने पेड़ों की बात करते हुए कहा ...
आप बगीचे में सभी पेड़ों को खा सकते हैं, लेकिन बगीचे के बीच में इस एक पेड़ से मत खाना, जिस दिन तुम खाओगे, मर जाओगे।
उत्पत्ति १:२८, २:२, १६-२२, २५

शैतान परमेश्वर से नफरत करता था और परमेश्वर जो कर रहा था उसे नष्ट करना चाहता था, लेकिन उसको हव्वा के साथ संवाद करने का एक तरीका चाहिए था, इसलिए उसने एक सुंदर प्राणी के शरीर में प्रवेश किया और उसके मुंह से बात की।

उन्होंने कहा कि हम इसे छोड़कर हर पेड़ से खा सकते हैं, लेकिन अगर हम इसे छूते हैं, तो हम मर जाएंगे।
हा! आप मरोगे नहीं | जब आप खाओगे तब आप परमेश्वर के जैसे बन जाओगे | हम जैसे हैं वैसे ही आप प्रबुद्ध होंगे और आपको अच्छे और बुरे सभी के बारे में पता चल जाएगा।

हव्वा क्या अच्छा और क्या बुरा नहीं जानती थी |

हव्वा ने परमेश्वर के आज्ञा का पालन नहीं किया और उसने वो फल खा लिया |
बहुत देर के बाद, हव्वा ने महसूस किया कि उसे धोखा दिया गया था। इससे उसे अच्छाई और बुराई का पता चला, परन्तु बुराई ने नियंत्रण पा लिया |

उत्पत्ति ३:१-६ प्रकाशितवाक्य २०:२

वे प्रबुद्ध थे और
अपनी नग्नता
पर शर्मिंदा थे।
हा हा
हा! वह अब तुम्हें मार
डालेगा! देखो उसने मेरे
साथ क्या किया।

हमने क्या किया है?
हमने परमेश्वर के आज्ञा का उल्लंघन किया है | वह जल्द ही आ जाएंगे। हमें अपनी नग्नता को ढंकना चाहिए।

आदम तुम कहा हो?
मैंने आपकी आवाज सुनी और मैं डर गया था क्योंकि मैं नग्न था।
तुम्हे किसने कहा की तुम नग्न हो? क्या तुमने मेरे आज्ञा का उल्लंघन करके मैंने मना किया हुआ फल खाया?

उत्पत्ति ३:६-१२

हिस्सस ...
सर्प ने मुझे धोखा दिया। उसने मुझसे कहा कि मैं मरूंगी नहीं, लेकिन मैं तुम्हारे जैसी बनूंगी। मुझे बहुत बुरा लग रहा है।

इसलिए परमेश्वर ने सर्प को शाप दिया और उससे कहा...
तु ने जो यह किया है इसलिए, तू पेट के बल चला करेगा और मुँह से मिटटी चाटता रहेगा |
मैं तेरे बीज और स्त्री के वंश के बिच में बैर उत्पन्न करूँगा | तेरा बीज स्त्री के एड़ी को डसेगा, परन्तु वह तेरे सिर को कुचल डालेगा |

यहाँ भविष्य की लड़ाई का वादा है। एक समय आएगा जब महिला का बीज शैतान को हरा देगा। यह व्यक्ति मानव जाति को परमेश्वर की ओर वापस भेजेगा और उन्हें पाप और मृत्यु के शाप से मुक्ति दिलाएगा।

परमेश्वर केवल एक पल में ही लूसिफर और उसके सभी स्वर्गदूतों को नष्ट कर सकते थे, लेकिन उन्होंने उन्हें मानव जाति के लिए एक परीक्षा के रूप में रहने की अनुमति दी। क्या मनुष्य परमेश्वर का अनुसरण करेगा, या उसके विद्रोह शैतान का अनुसरण करेगा?

उत्पत्ति ३:१३-१५

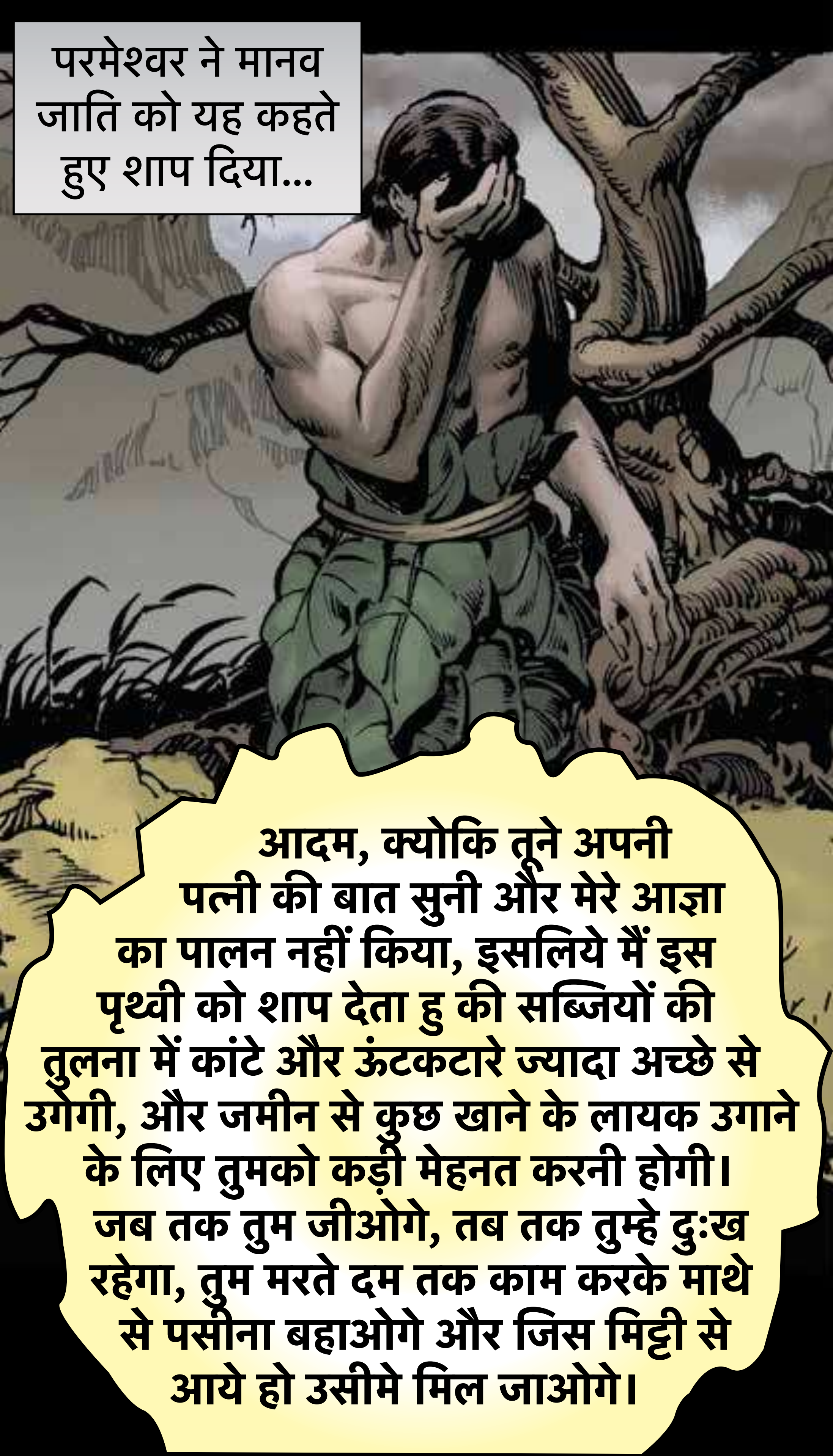

परमेश्वर ने मानव जाति को यह कहते हुए शाप दिया...
आदम, क्योकि तूने अपनी पत्नी की बात सुनी और मेरे आज्ञा का पालन नहीं किया, इसलिये मैं इस पृथ्वी को शाप देता हु की सब्जियों की तुलना में कांटे और ऊंटकटारे ज्यादा अच्छे से उगेगी, और जमीन से कुछ खाने के लायक उगाने के लिए तुमको कड़ी मेहनत करनी होगी। जब तक तुम जीओगे, तब तक तुम्हे दुःख रहेगा, तुम मरते दम तक काम करके माथे से पसीना बहाओगे और जिस मिट्टी से आये हो उसीमे मिल जाओगे।

जैसे की परमेश्वर ने वादा किया था यह वक्त आदम और हव्वा को मरने का था। परन्तु उनकी हत्या करने के अलावा, परमेश्वर उनके जगह पे जानवरों की हत्या की और आदम और हव्वा के लिए उनके चमड़े लेकर अँगरखे बनाये।

आदम और हव्वा उस दिन नहीं मरे, क्योंकि निर्दोष जानवरों की उनके स्थानों पर मृत्यु हो गई। लेकिन मौत की सजा उन को मिली, और आखिरकार वे भी मर जाएंगे। मृत्यु पाप का दंड **है।**

आदम और हव्वा अब पापी होने के कारन परमेश्वर ने उनको सुन्दर बगीचे से बहार निकाला ताकि वे जीवन के पेड़ से फल खा ना पाए और सदा पापी अवस्था में रह सके।

कोई भी जीवन के पेड़ के पास जा ना पाए इसलिए परमेश्वर ने बगीचे के प्रवेशद्वार के पास करूब नाम का एक विशेष प्रकार का देवदूत रखा। बगीचा अंत में नष्ट हो गया और वो पेड़ पृथ्वी से चला गया। एक दिन यह पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा, लेकिन मैं अपनी कहानी में आगे जा रहा हूं।
उत्पत्ति ३:१७-२४; यहेजकेल १८:४

आदम और हव्वा के कई बच्चे थे। बाद में, उनके बेटे और बेटियाँ एक-दूसरे से शादी कर लेंगे और उनके खुद के बच्चे होंगे।

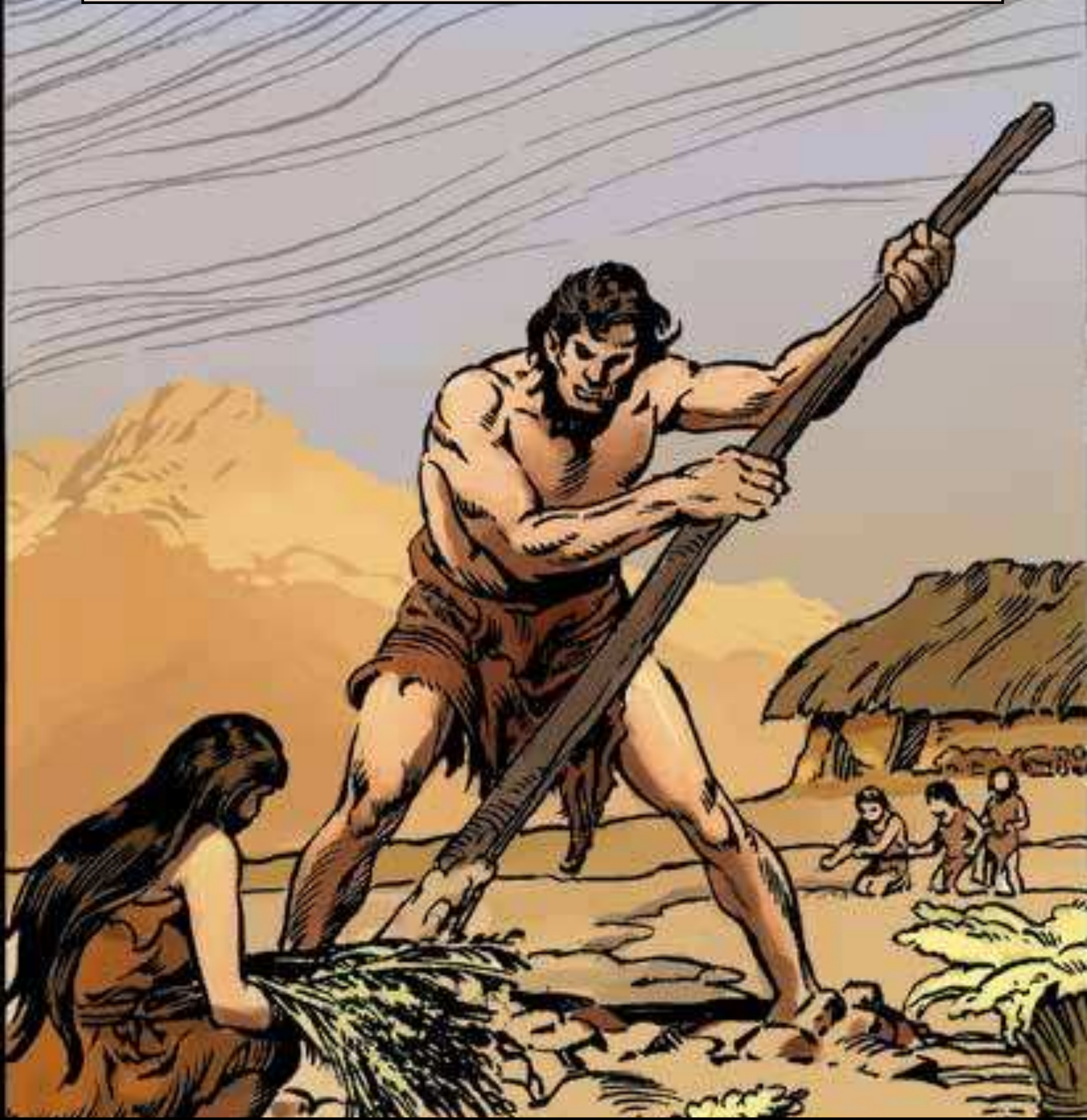

जब मनुष्य पहली बार बनाया गया था, तो उत्परिवर्ती जीन जो कि आंतरिक प्रजनन के माध्यम से विकृति का कारण बने थे, अभी तक विकसित नहीं हुए थे, लेकिन बाद में जब यह एक समस्या बन गई, तो परमेश्वर ने आज्ञा दी कि करीबी रिश्तेदारों में शादी नहीं करनी चाहिए।

आदम और हव्वा का पहिला बेटा, कैन, उसने सब्जियां और फल उगाए। उनका दूसरा बेटा, हाबिल, उसने जानवरों को पाला। क्या यह हो सकता है कि उनमें से एक वादा किया गया बेटा होगा जो शैतान को नष्ट कर सकता है ?

कैन और हाबिल परमेश्वर और बगीचे की घटनाओं के बारे में जानते थे। परन्तु परमेश्वर अब मानवता के साथ चलता या बोलता नहीं है। आदम और उसके सभी वंशज आदम की अवज्ञा से परमेश्वर से अलग हो गए थे। परमेश्वर के बिना जीवन बहोत कठिन था।

एक दिन ऐसा आया जब दोनों बेटों ने परमेश्वर की आराधना करने का फैसला किया। उनके पिता ने उन्हें बगीचे में जानवरों को मारने वाले परमेश्वर के बारे में बताया था इसलिए विश्वास से हाबिल ने एक जानवर को मारा और परमेश्वर को चढ़ाया।

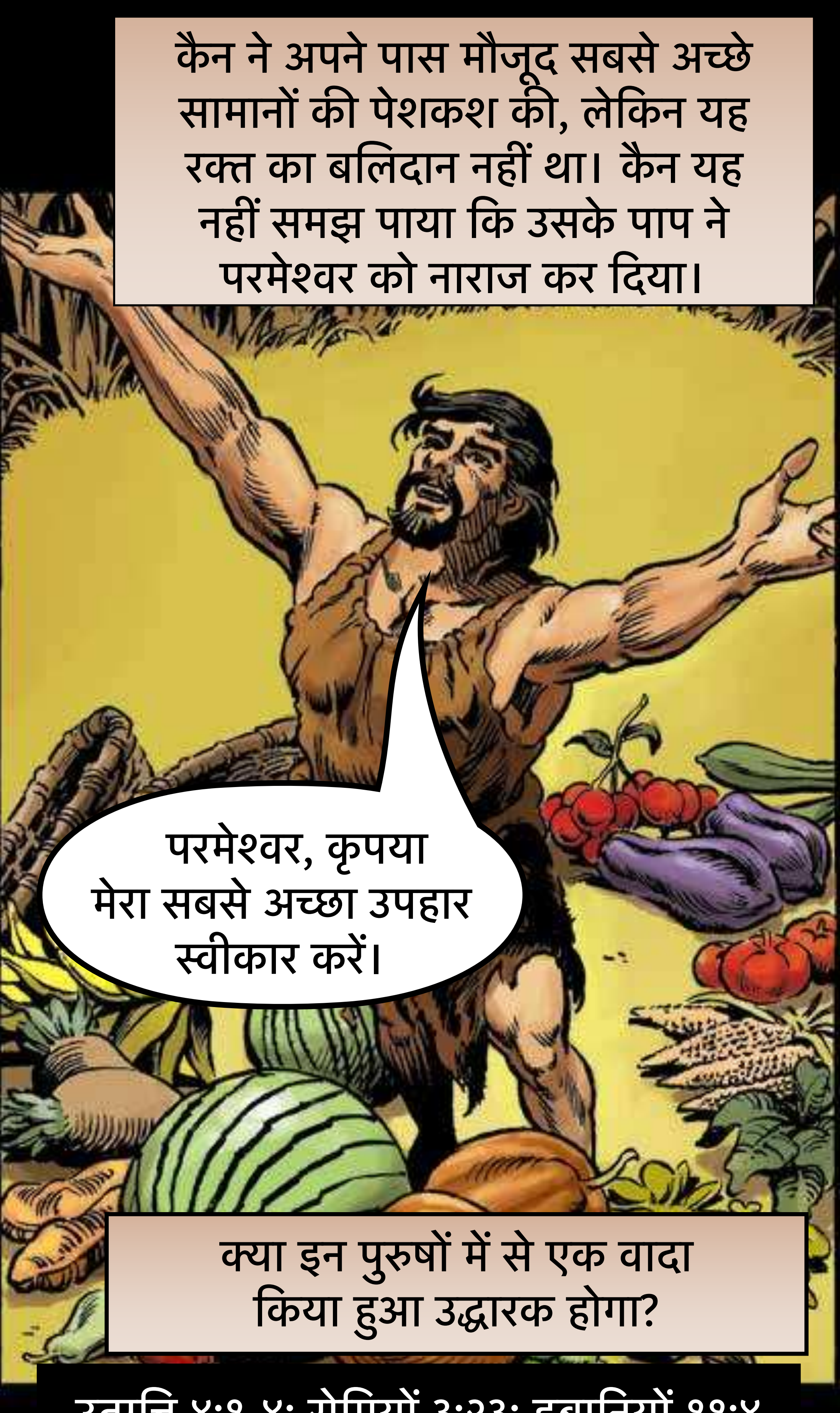

उत्पत्ति ४:१-४; रोमियों ३:२३; इब्रानियों ११:४

परमेश्वर ने कैन की चढ़ाव को अस्वीकार
कर दिया क्योंकि वह रक्त के बिना था।

परमेश्वर हाबिल और उसकी भेंट से प्रसन्न थे। जब उसने मासूम मेमने के खून के छींटे देखे, तो परमेश्वर ने हाबिल के पाप को दूर कर दिया।

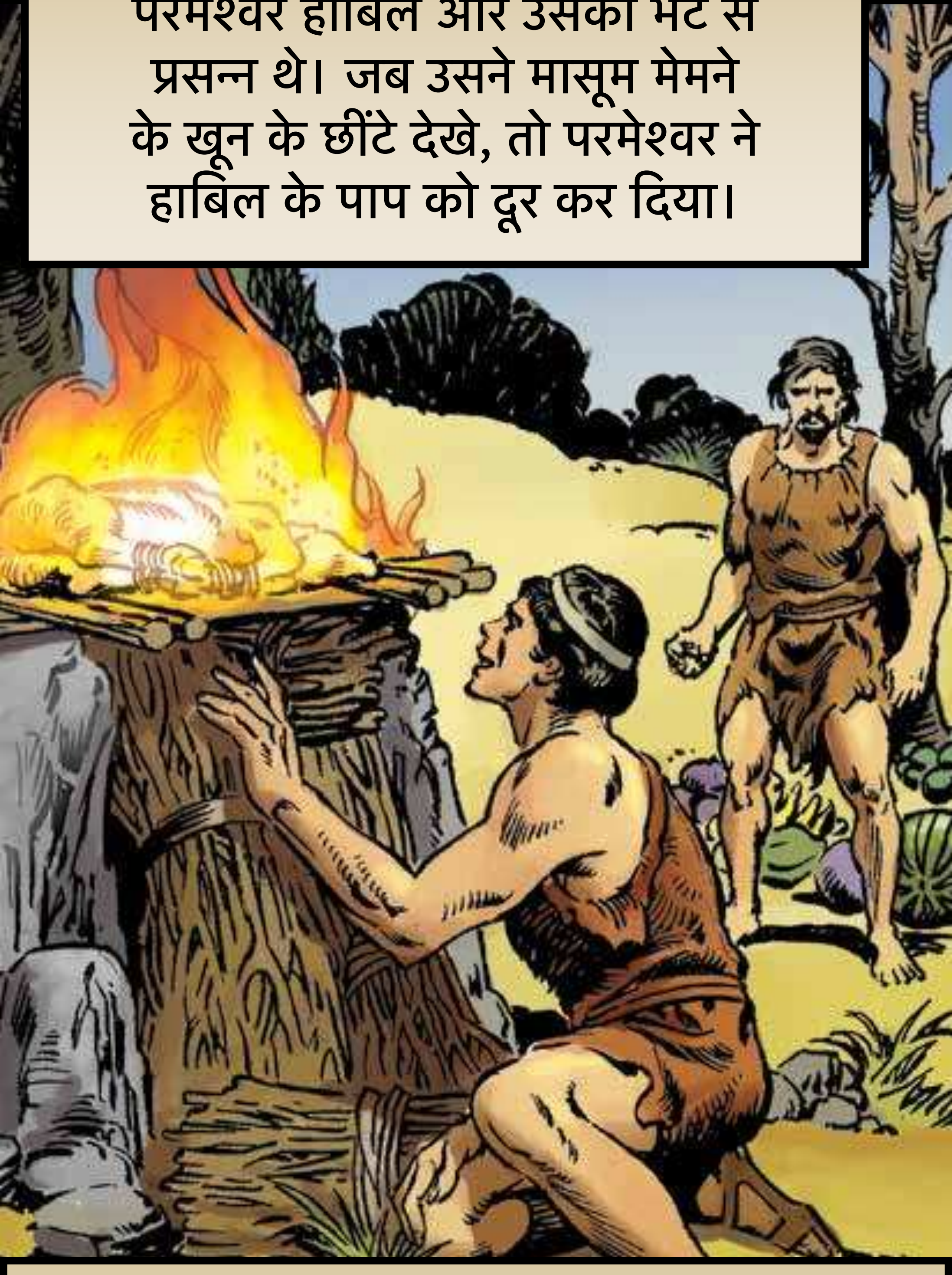

परमेश्वर ने कैन से कहा, “यदि आप वह करते हैं जो आपको करना चाहिए, तो मैं आपसे प्रसन्न हो जाऊंगा। इसके अलावा, आप अपने भाई हाबिल पर शासन करेंगे, और वह आपके अधीन रहेगा।”

तुम्हें क्या लगता है कि तुम कौन हो? मेरे फल और सब्जियां उस खूनी भेड़ के बच्चे से अधिक मूल्य की हैं। क्या तुम्हें इतना खास बनाता है?
मेरे भाई, अब भी रक्तदान करने का समय है।

हाबिल मर गया, और कैन हत्या करके उसने किया हुआ गुन्हा छुपाने की कोशिश करता है ।

लेकिन कैन अपने बुरे बीज को परमेश्वर से छिपा नहीं सका। परमेश्वर सब देखता है और जानता है।
कैन, तुम्हारा भाई हाबिल कहाँ है?
मुझे कैसे पता होगा? क्या मैं अपने भाई की देखभाल करने वाला हूं?
तुम्हारे भाई का खून अभी भी जमीन पर है। यह तुम्हारे बुरे काम की बात करता है।

परमेश्वर सब जानता हैं। वह हर समय हर किसी को देखता है। उससे कुछ भी छिपाया नहीं जा सकता। उसने देखा कि कैन ने हाबिल के साथ क्या किया। परमेश्वर ने कैन को शाप दिया और वह अपनी पत्नी को अपने साथ लेकर जंगल में भाग गया। उनके अपराधबोध ने उन्हें बहुत दुःख और पीड़ा दी।

कैन वायदा करने वाला नहीं हो सकता। उसे खुद को ही मुक्ति की आवश्यकता थी।

उत्पत्ति ४:९-१६, ५:४; प्रेरितों के कामों १७:२४-२६

शेत का एक बेटा था, और उसके बेटे का एक बेटा था, और कई और बेटे पैदा हुए थे, लेकिन फिर भी पाप के अभिशाप को दूर करने और मौत को नष्ट करने के लिए कोई भी आगे नहीं आया। जल्द ही पृथ्वी कई शहरों, गांवों और खेतों से आबाद हो गई।

प्रत्येक नई पीढ़ी के साथ, जैसे-जैसे लोग बढ़े, पाप बढ़ता गया। लोग लैंगिक पाप करते और हिंसक होते। हर विचार पापमय था। कोई भी सही तरीके से नहीं रहता था। आदम ने एक पाप किया था; लोगों ने अब कई पाप किए।

परमेश्वर ने कहा,”मुझे खेद है कि मैंने पृथ्वी पर मनुष्य को बनाया। मैं पृथ्वी के जीवित हर वस्तु को नष्ट कर दूंगा।” परमेश्वर के राज्य से नफ़रत करने वाला शैतान, परमेश्वर को हर किसी को मारता हुआ देखकर प्रसन्न होगा।

उत्पत्ति ६:५-७; रोमियों ५:१२

लेकिन एक व्यक्ति ऐसा था जो न्याय पे चलता था और हमेशा सही काम करता था। हालाँकि, परमेश्वर पृथ्वी पर अन्य सभी को मार डालेगा, परन्तु उसने इस आदमी पर अनुग्रह किया और उसे और उसके परिवार को नहीं मारने का फैसला किया।

नूह,
मैं सारी पृथ्वी पर पानी की एक बड़ी बाढ़ भेजने जा रहा हूँ। जिस चीज में भी जान है वह मर जाएगी। अपने आप को, अपने परिवार और जानवरों को बचाने के लिए, तुम एक बड़े जहाज का निर्माण करना।

जहाज
पर अपने साथ पृथ्वी के प्रत्येक
जानवर की एक जोड़ी को ले जाना। तुम
खाने के लायक सभी चीज़ों में से सात चीज़ों
को लो। मैं आपको बताऊंगा कि जहाज का
निर्माण कैसे करें और बाढ़ की तैयारी के
लिए आपको क्या करना होगा।

क्या नूह वादा किया हुआ बच्चा हो सकता है, जो शैतान के कामों को नष्ट कर पायेगा? क्या वह परमेश्वर के आज्ञा का पालन करेगा, या वह भी असफल हो जाएगा?

परमेश्वर ने नूह को बताया की पृथ्वी पर होने वाले हर एक जानवर की जोड़ी और उनके खाने का सामान नाव में रखने के लिए कितना बड़ा जहाज होने की आवशक्यता है।

उत्पत्ति ६:८-९, १७-२२, ७:२

मैं आपको आखिरी बार बता रहा हूं। परमेश्वर एक बाढ़ लाकर दुनिया को नष्ट करने जा रहे हैं। तुम मुझ पर विश्वास करो और जहाज पर मेरे साथ चलो।
आने वाली बाढ़ में ख़त्म होने वाले हर किसी के बारे में सोच के नूह दुखी होगया, इसलिए हर मौके पर उसने उन्हें पाप करना बंद करने की चेतावनी दी।

मुर्ख बूढ़े !
पाप के कारण। आपको पाप करना बंद करना चाहिए और अपने पड़ोसी के साथ प्रेम और न्याय से पेश आना चाहिए।
एक प्यारा परमेश्वर अपने बच्चों को क्यों नष्ट करेगा ?

120 साल बाद, जब जहाज बनके पूरा हुआ, परमेश्वर ने दुनिया भर से जानवरों को नूह के पास भेजा।
देखो, यहाँ अधिक जानवर आते हैं। वे अपने आप आते हैं, जैसे कोई उन्हें बुला रहा है।

उत्पत्ति ७:७-९; २ पतरस २:५

ज्यादा जगह नहीं बची है।
यह उनमें से अंतिम है।
नूह, यह समय है। अपने सभी परिवार और जानवरों के साथ जहाज में आ जाओ। जल्द ही उन सभी के लिए बहुत देर हो जाएगी जिन्होंने पाप करना बंद करने से इनकार कर दिया था।

परमेश्वर ने जहाज का दरवाजा बंद कर दिया, और सात दिनों तक कुछ नहीं हुआ।
हा हा ! मूर्खों को देखो, दूर मीलों तक पानी से दूर, सूखे जमींन के बीचो बिच, जानवरों के साथ एक बड़े जहाज में बंद है।
हाँ, मुझे यकीन है कि शेरों ने उन्हें अभी तक खा लिया होगा।
वे वहाँ एक सप्ताह से हैं!

लेकिन सातवें दिन बारिश होने लगी, और धरती में गहराई तक जमा पानी सतह पर आ गया।

इस समय से पहले, कभी बारिश नहीं हुई थी। मौसम हमेशा अच्छा था और जमीन पर पानी भरने के लिए एक धुंध पृथ्वी से ऊपर आई। बारिश के बारे में किसी ने कभी देखा या सुना नहीं था, इसलिए कई लोगों ने सोचा कि नूह पागल है जो सोच रहा है की आकाश से पानी से गिरेगा, परन्तु नूह ने परमेश्वर के बातों पर विश्वास रखा।.

उत्पत्ति ७:९-१२, १६

लगभग २३४८ ई. पु.

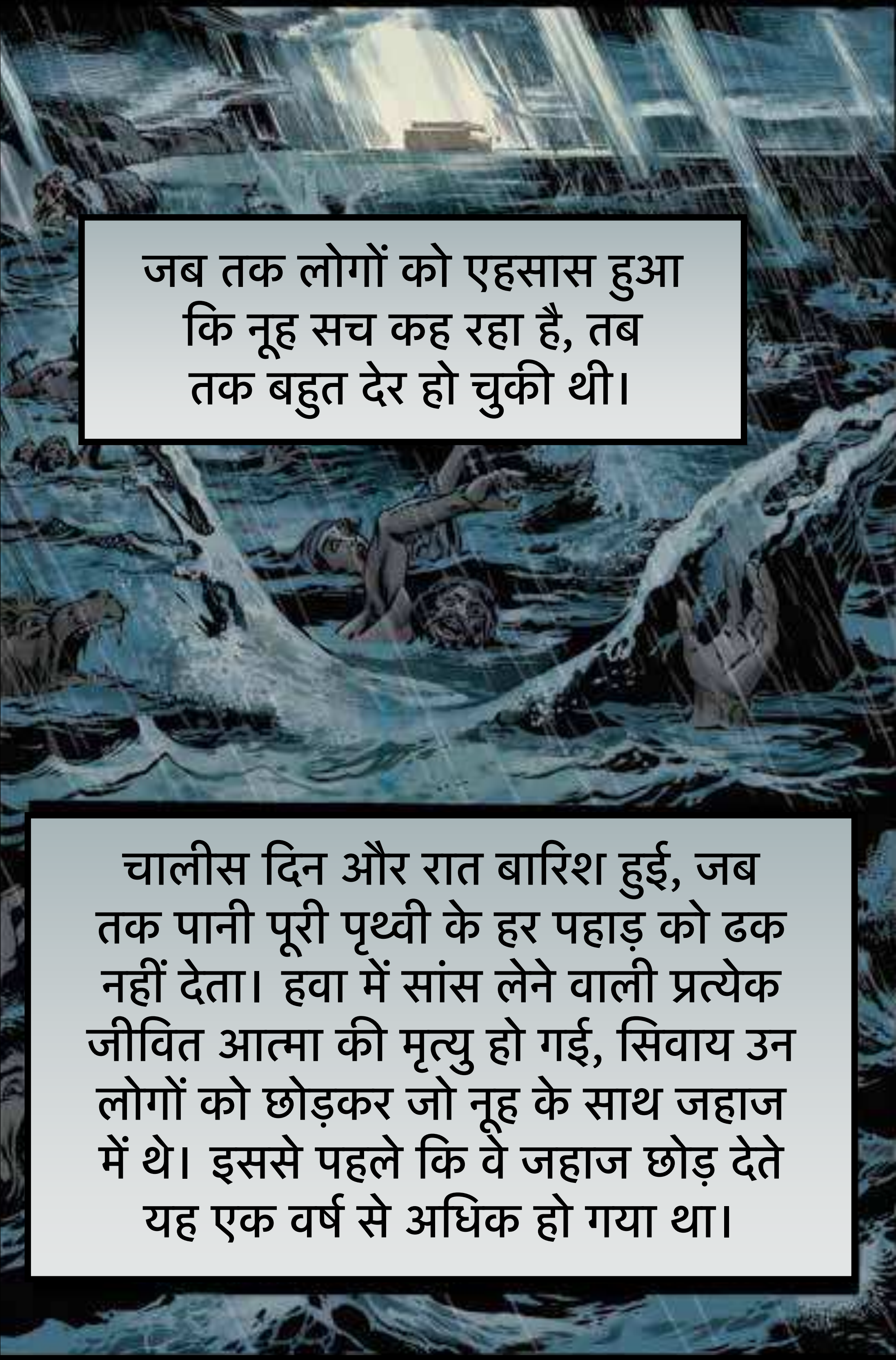
जब तक लोगों को एहसास हुआ कि नूह सच कह रहा है, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।
चालीस दिन और रात बारिश हुई, जब तक पानी पूरी पृथ्वी के हर पहाड़ को ढक नहीं देता। हवा में सांस लेने वाली प्रत्येक जीवित आत्मा की मृत्यु हो गई, सिवाय उन लोगों को छोड़कर जो नूह के साथ जहाज में थे। इससे पहले कि वे जहाज छोड़ देते यह एक वर्ष से अधिक हो गया था।

उत्पत्ति ७:१२, १९-२३, ८:९-१२
मुझे खुशी होगी जब पानी नीचे चला जाएगा और हम इस जहाज को छोड़ सकते हैं।
अंत में नूह ने एक कबूतर जारी को छोड़ा और वह उसके मुंह में एक शाखा के साथ वापस आ गया, जिसका मतलब था कि कहीं एक पेड़ पहले से ही बढ़ रहा था। बाद में, उन्होंने उसे फिर से छोड़ा, और उस समय वह वापस नहीं आया, जिसका मतलब था कि उसे रहने के लिए एक अच्छी जगह मिल गई थी।

जहाज अरारात नामक पहाड़ पर टिक गया। हर कोई एक नई दुनिया में आया, ऐसी दुनिया जहा पाप नहीं था।

नूह ने एक वेदी बनायी और जानवरों की बलि चढ़ाकर परमेश्वर को चढ़ाया। हालांकि नूह एक मनुष्य था, उसके दिल में फिर भी पाप था। नूह ने, नूह और उसके परिवार के बदले में परमेश्वर को रक्तबलिदान चढ़ाया।

जानवरों ने आठ लोगों का प्रतिनिधित्व किया, जिन्हें बाढ़ में मर जाना चाहिए था, लेकिन भगवान की कृपा से बचे हुए थे। यह कुछ ऐसा था जैसे परमेश्वर ने बगीचे में जानवरों को मार डाला था, आदम और हव्वा के आवरण बनाने के लिए।

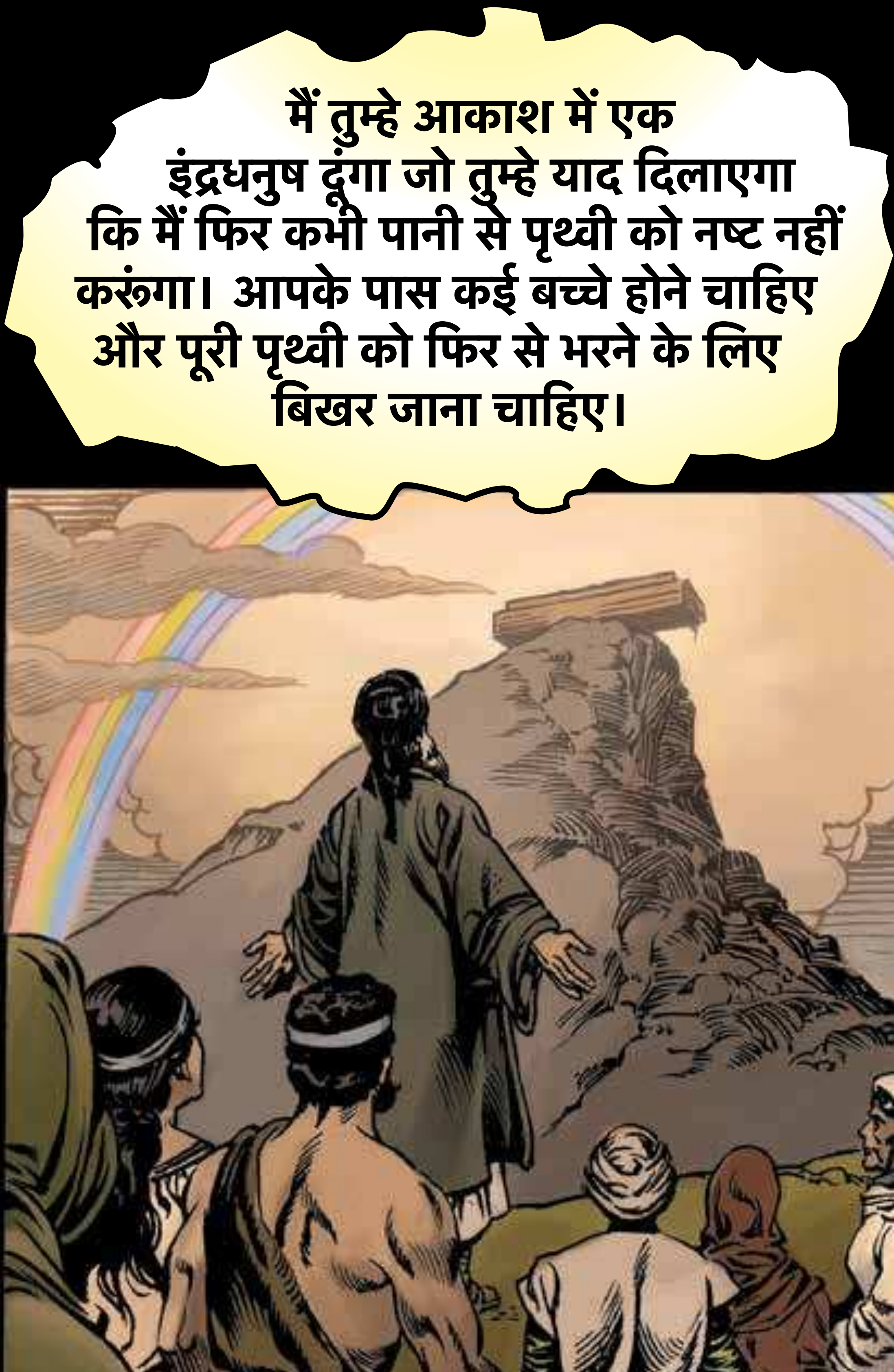
मैं तुम्हे आकाश में एक इंद्रधनुष दूंगा जो तुम्हे याद दिलाएगा कि मैं फिर कभी पानी से पृथ्वी को नष्ट नहीं करूंगा। आपके पास कई बच्चे होने चाहिए और पूरी पृथ्वी को फिर से भरने के लिए बिखर जाना चाहिए।

मैं पुरुषों से डरने वाले जानवरों को बनाऊंगा। आप किसी भी ऐसे प्राणी को खा सकते हैं जो जीवित है और पृथ्वी पर रेंग रहा है, जैसे आप सब्जियां और जड़ी-बूटियां खाते हैं, लेकिन आप किसी भी प्राणी का खून नहीं खा सकते हैं। किसी को भी मत मारना।
अगर कोई किसी दूसरे को मारने के लिए दोषी पाया जाता है, तो वह अन्य पुरुषों द्वारा मारा जाएगा। यदि एक आदमी दूसरे आदमी का खून बहाता है, तो दूसरे लोगों को उसके अपराध का भुगतान करने के लिए अपना खून बहाना चाहिए, क्योंकि जीवन खून में है।

नूह किसान बन गया और उसने अंगूर की खेती की। नई दुनिया सिर्फ चार परिवारों के साथ अकेली थी, लेकिन जल्द ही उनके बेटे अपने खुद के बच्चे पैदा कर रहे थे।

उत्पत्ति ८:४, २०, ९:१-२९

नूह ने पाया कि एक पात्र में फल डालकर और उसे कुछ हफ्तों के लिए छोड़ दिया, तो एक मादक पेय बनता है जिससे उसको मजा आया। नूह को पेय इतना पसंद आने लगा कि कई बार वह काम नहीं कर पाता। वह बस बेहोश होकर गिर पडता। इसने उसे ऐसा काम करने के लिए प्रेरित किया जिनसे परमेश्वर नाराज था।

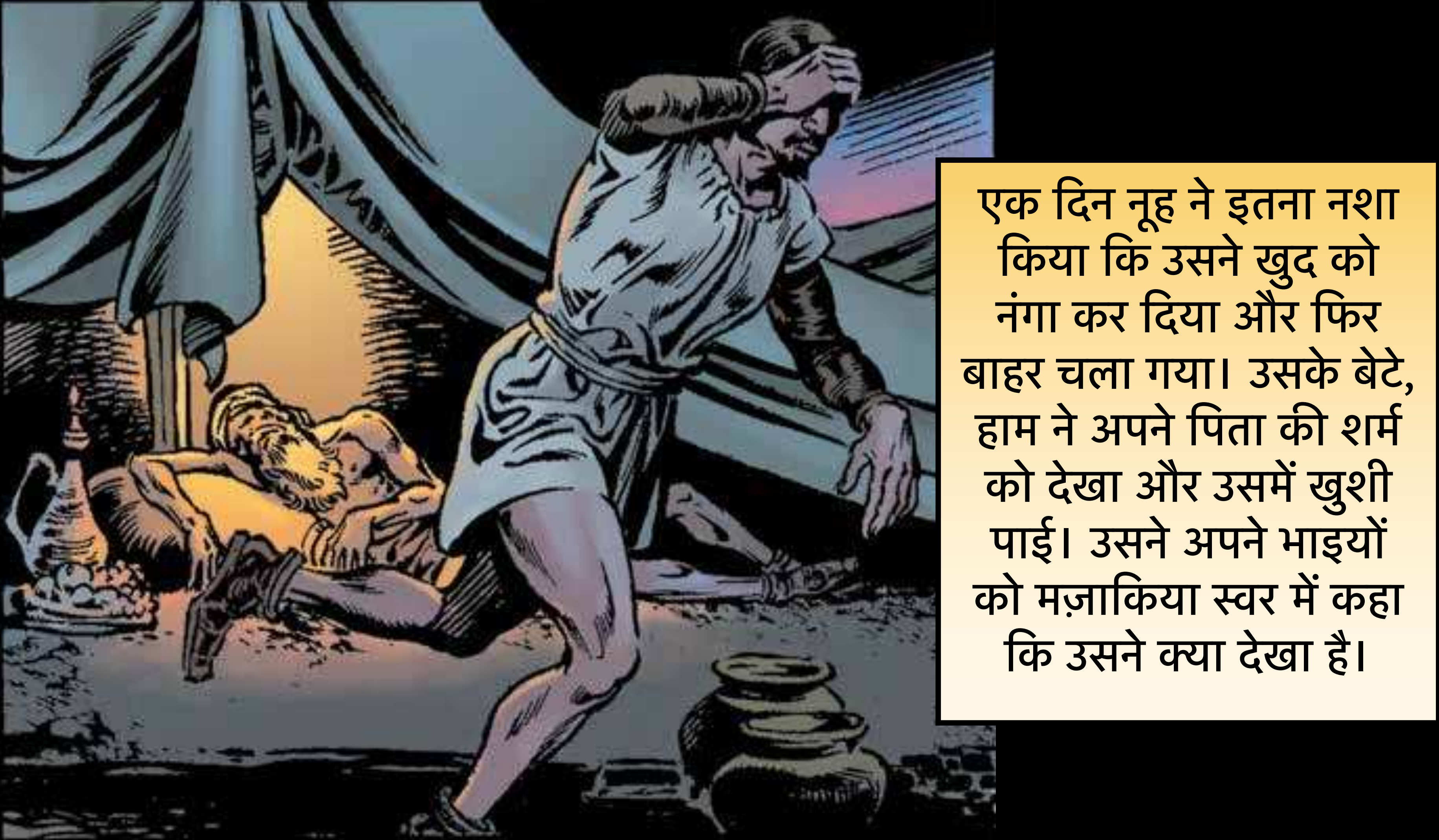
एक दिन नूह ने इतना नशा किया कि उसने खुद को नंगा कर दिया और फिर बाहर चला गया। उसके बेटे, हाम ने अपने पिता की शर्म को देखा और उसमें खुशी पाई। उसने अपने भाइयों को मज़ाकिया स्वर में कहा कि उसने क्या देखा है।

जब नूह जाग गया, तो उसके बेटों ने उसे बताया कि हाम ने क्या किया है।
आपका पुत्र, कनान, और उसके सभी वंश आपके भाई शेम के वंशजों के सेवक होंगे।

कई सालों बाद, यह भविष्यवाणी सच हुई। कनानियों ने राजमहल पर कब्जा कर लिया और यहूदी की सेवा में समाप्त हो गए।

उत्पत्ति ९:२१-२७; १ इतिहास ४:४०; भजन संहिता ७८:५१, १०५:२३,२७, १०६:२२

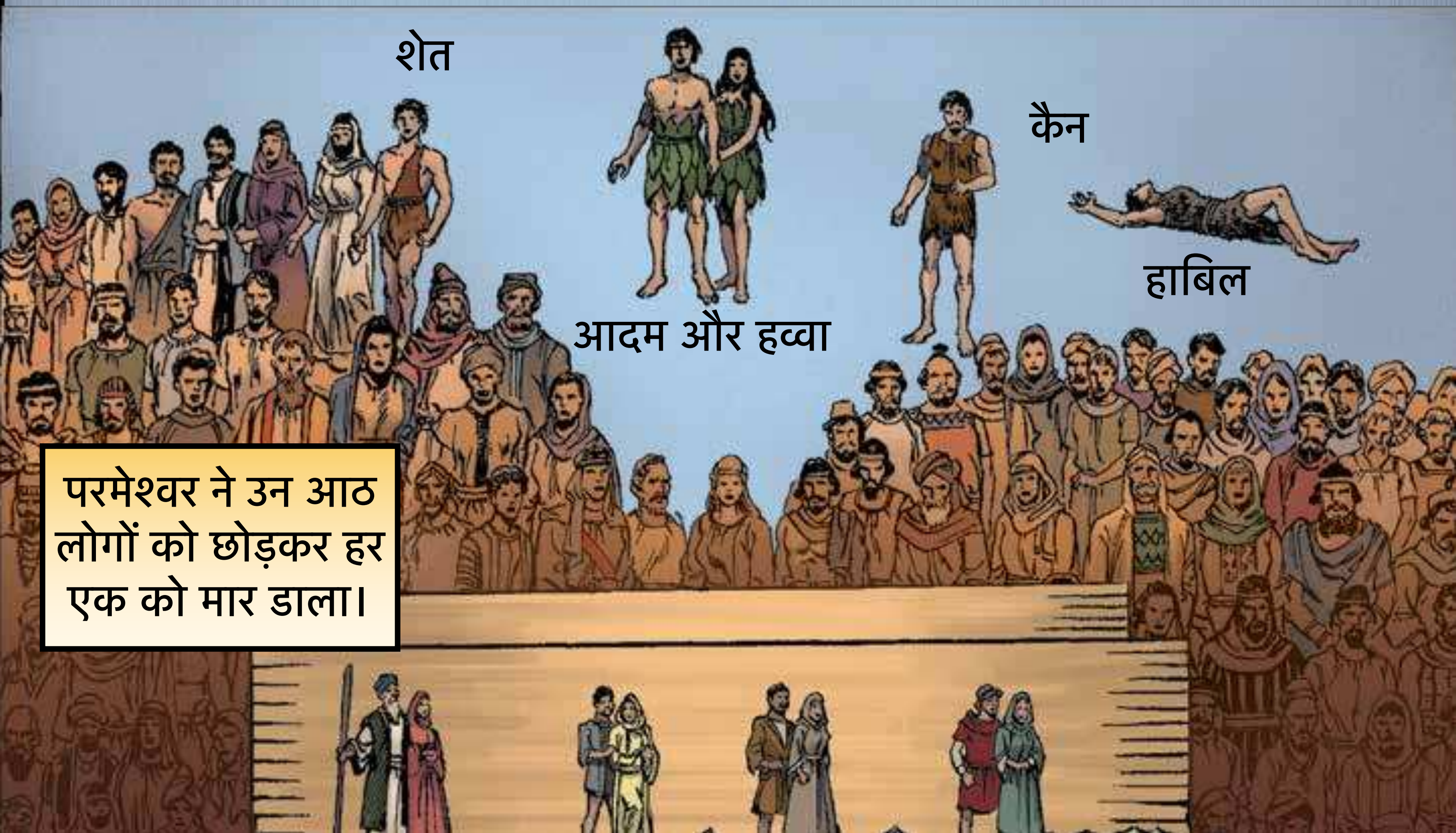
शेत
आदम और हव्वा
कैन
हाबिल
परमेश्वर ने उन आठ लोगों को छोड़कर हर एक को मार डाला।

नूह और उसके परिवार ने परमेश्वर की आँखों में अनुग्रह पाया।

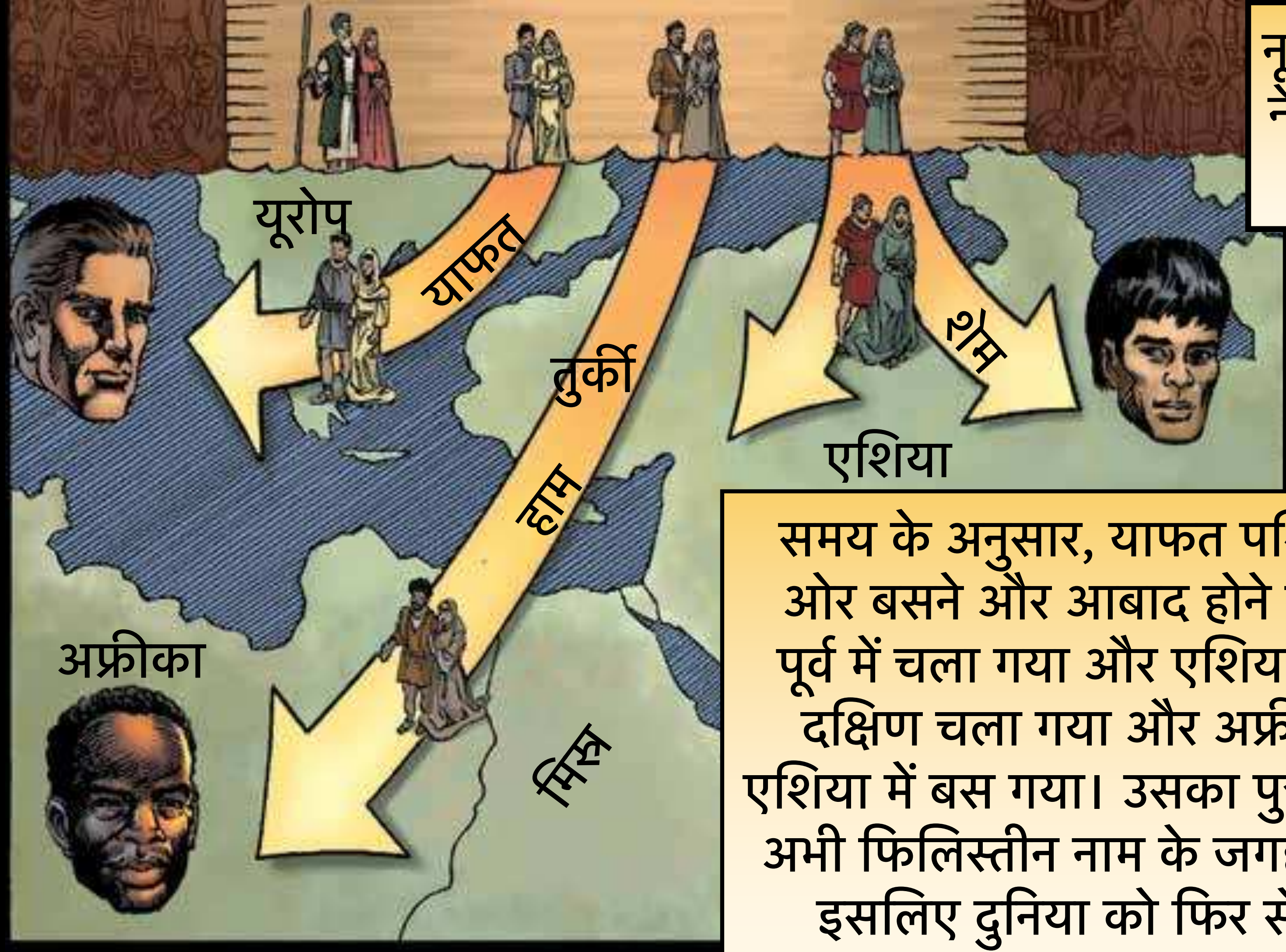

समय के अनुसार, याफत पश्चिम और उत्तर की ओर बसने और आबाद होने के लिए गया। शेम पूर्व में चला गया और एशिया में बस गया। हाम दक्षिण चला गया और अफ्रीका और दक्षिणी एशिया में बस गया। उसका पुत्र काना उसके वंशज अभी फिलिस्तीन नाम के जगह पर बस गए। और इसलिए दुनिया को फिर से भर दिया गया।

लगभग २२४७ ई. पु.
नूह के बेटे हाम का एक बेटा था, जिसका नाम कूश था। तब कूश का एक पुत्र था जिसका नाम निमरोद था। निमरोद एक महान शिकारी बन गया, और वह पूरी पृथ्वी पर जाना जाता था। उसने परमेश्वर को मानने से इंकार कर दिया और बेबीलोन नामक स्थान पर अपना झूठा धर्म शुरू कर दिया।

बेबीलोन के लोग पृथ्वी को बिखेरना और पृथ्वी को फिर से स्थापित नहीं करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने एक साथ इकट्ठा होकर आराधना के केंद्र के रूप में एक बड़े और ऊंचे मीनार का निर्माण किया।

लेकिन यह उनका निर्माता नहीं था जिसकी वे आराधना करते थे। शैतान ने उन्हें लकड़ी, पत्थर और धातु से अपने स्वयं के देवता बनाने के लिए प्रेरित किया।

ईश्वर उनके पृथ्वी पर बिखराव से इनकार करने पर क्रोधित थे, इसलिए उन्होंने लोगों को कई अलग-अलग भाषाएं बोलने का कारण बनाया।

काम करने वाले अब एक दूसरे को समझ नहीं सकते हैं, इसलिए वे काम जारी नहीं रख सकते।

प्रत्येक भाषा समूह अपने तरीके से चला गया। कुछ लोग पृथ्वी में दूर स्थानों पर चले गए, कुछ ने दूर के द्वीपों के जहाजों में यात्रा की, कुछ उत्तर में जहां ठंडा था और कुछ रेगिस्तान में जहां गर्म था। इसीलिए पृथ्वी को पुनर्स्थापित करने की परमेश्वर की आज्ञा पूरी हुई।

जैसे-जैसे धरती लोगों से
भरती गई, पाप फिर से
बढ़ता गया। लोग मूर्तियों के
आगे झुक गए और जीवित
परमेश्वर को भूल गए।

उत्पत्ति १०:६-१०, ११:१-९

https://goodandevilbook.com/